International Laboratory Accreditation Cooperation

सरकार एवं विनियामकों द्वारा एक प्रत्यायित प्रयोगशाला के लाभ किस प्रकार लिए जा सकते है?

ilac global trust

Testing – Calibration – Inspection

सरकार एवं विनियामकों द्वारा एक प्रत्यायित प्रयोगशाला के लाभ किस प्रकार लिए जा सकते है?

सरकारी निकाय और विनियामक निम्नलिखित से संबंधित निर्णय लेने के लिए लगातार मांग कर रहे हैं :

- उपभोक्ता और आम जनता के स्वास्थ्य और कल्याण की सुरक्षा निश्चित करना
- पर्यावरण की रक्षा
- नये विनियमों और अपेक्षाओं का विकास
- विनियामक एवं कानूनी आवश्यकताओं के साथ अनुपालन का मॉनीटरन
- तकनीकी और वित्तीय दोनों संसाधनों का आबंटन

इन निर्णयों को लागू करने के लिए प्रयोगशालाओं द्वारा सृजित आंकड़ों में सरकारी निकायों और विनियामकों में विश्वास होना आवश्यक है। एक प्रत्यायित प्रयोगशाला का उपयोग इस विश्वास को स्थापित और सुनिश्चित करने में सहायता कर सकता है।

यदि प्रतिष्ठित प्रत्यायन निकाय द्वारा एक प्रयोगशाला को मान्यता दी जाती है तो इसका आशय है कि प्रयोगशाला ने विशेष प्रकार की जांच, मापन और अंशाकन कार्यकलापों के निष्पादन में एक निर्धारित स्तर की तकनीकी सक्षमता प्राप्त कर ली है। इस विश्वास का परिणाम यह है कि प्रयोगशाला, वे आंकड़े जो सटीक, खोजे जाने योग्य और दोहराने योग्य हैं - सरकारी निर्णय लेने में विवेचित घटक हैं, उनको प्रस्तुत करने में सक्षम है।

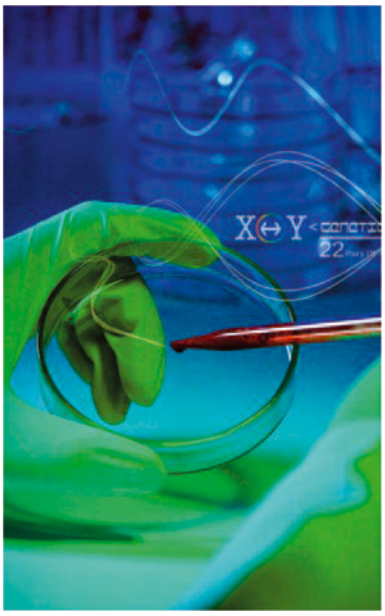

ilac global trust
Testing – Calibration – Inspection

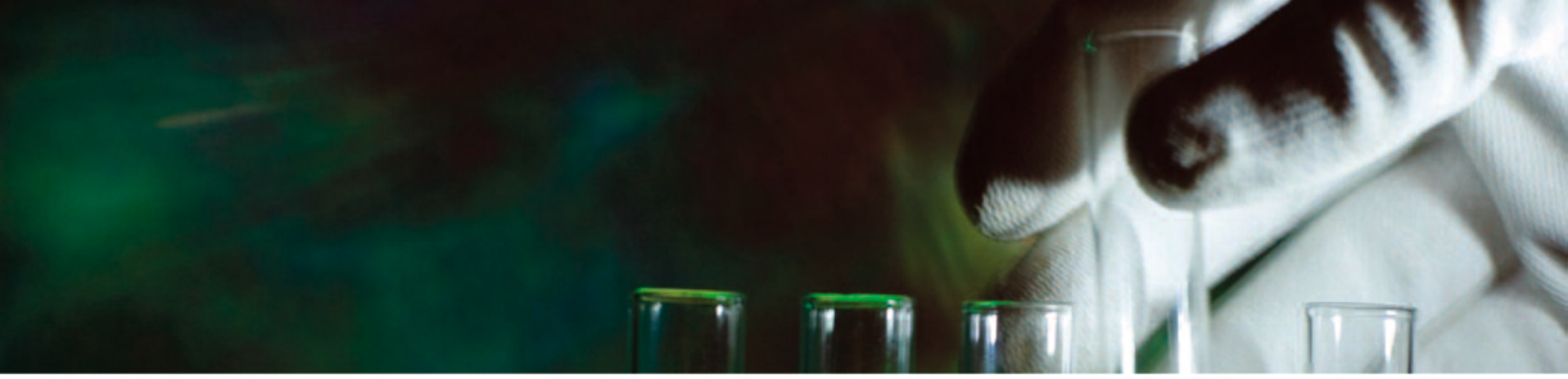

सरकार और विनियामकों द्वारा एक मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला के लाभों का उपयोगः

- आंकड़ों में विश्वासवृद्धि से उनका उपयोग प्रमुख विश्लेषणों और निर्णयों के लिए आधार रेखा स्थापित करने में किया जा सकता है।
- निर्णयों से जुड़ी अनिश्चितता जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा को प्रभावित करती है, को कम करना।
- जनता में विश्वास बढ़ाना, क्योंकि प्रत्यायन, स्वीकृति की एक मान्य पहचान है।
- बार - बार की समीक्षा को समाप्त करना और आकलन प्रक्रिया की कार्यकुशलता में सुधार (जिससे मूल्यों में कमी हो सकती है) ।

एक प्रत्यायित प्रयोगशाला के उपयोग से भी विश्वास वृद्धि होती है जैसे किः

- तुलनात्मक आंकड़ों पर आधारित बहुप्रयोजन सुविधाओं से संबंधित निर्णय से।
- आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त खरीददारी की सुरक्षित व विश्वसनीयता से।
- पुनः जांच परिक्षण, पुनः सेंपलिंग और समय की बर्बादी सहित प्रयोगशाला से जुड़ी समस्याओं के साथ जुड़े मूल्यों को कमतर करने से।
- असत्य सकारात्मककता और नकारात्मकता जिससे विनियमनों के अनुपालन में सीधे प्रभाव पड़ता है, उसे कमतर करने से।

मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं के उपयोग से भी व्यापार और आर्थिक वृद्धि में सुगमता होती है। प्रत्यायन की प्रक्रिया प्रयोगशाला की सक्षमता का निर्धारण करने के एक समान दृष्टिकोण पर निर्भर करता है - एक दृष्टिकोण जो स्वीकार्य हो और जिसे अनेक सीमाओं तक कार्यान्वित किया जा सके। क्योंकि अन्तर्राष्ट्रीय रूप से स्वीकार्य परीक्षण और मापन व्यवहार में एक मान्यताप्राप्त प्रयोगशाला द्वारा सृजित आंकड़ों से विदेशी बाजारों में निर्यातित सामानों की स्वीकार्यता में अधिक तेजी आयेगी। इससे लागत में और आयात तथा निर्यात में कमी आयेगी चूंकि इससे दूसरे देश में पुनः जांच की आवश्यकता कम हो जायेगी अथवा समाप्त हो जायेगी।

प्रयोगशाला प्रत्यायन का कार्य कैसे होता है ?

पूरे विश्व में अनेक देश अपनी प्रयोगशालाओं की तकनीकी क्षमता निर्धारित करने के लिए प्रयोगशाला प्रत्यायन नामक प्रक्रिया पर निर्भर हैं। प्रयोगशाला प्रत्यायन प्रक्रिया एक देश में साधारणतया एक प्रत्यायन निकाय द्वारा पूरी की जाती है। कुछ विकासशील अर्थव्यवस्थाएं प्रत्यायन निकायों की स्थापना किये बिना ही अपनी प्रयोगशालाओं को दूसरे देश की स्थापित प्रणाली द्वारा प्रत्यायित करवा सकते हैं । अपने देश में प्रयोगशाला प्रत्यायन निकाय, यदि हो तो, का पता लगाने के लिए अपने राष्ट्रीय मानकों के निकाय अथवा उद्योग अथवा प्रौद्योगिकी संबंधी मंत्रालय से संपर्क करें । यदि आपके पास इण्टरनेट की सुविधा है तो अंतरर्राष्ट्रीय प्रयोगशाला प्रत्यायन निगम(आई0एल0ए0सी0) की वेबसाइट www.ilac.org को देखें और प्रयोगशाला प्रत्यायन निकायों की दी गयी निर्देशिका का उपयोग करें । इस वेबसाइट में कुछ देश में प्रत्यायित प्रयोगशालाओं की निर्देशिकाओं से संयोजन भी शामिल है ।

प्रयोगशाला प्रत्यायन आई एस ओ 9001 के प्रमाणीकरण से भिन्न होता है ? आई एस ओ 9001 का प्रमाणीकरण यह प्रदर्शित करता है कि एक प्रयोगशाला में स्थापित गुणकोटि प्रबंधन प्रणाली है लेकिन यह तकनीकी क्षमता नहीं दर्शाता है। प्रयोगशाला प्रत्यायन, तकनीकी क्षमता निर्धारण करने के लिए विशेषरूप से विकसित, मानकों और कार्यप्रणालियों का उपयोग करते हुए अगले कदम पर कार्य करता है।

ilac global trust
Testing – Calibration – Inspection

यहां प्रत्यायन कैसे कार्य करता है। विशेषज्ञ, तकनीकी आकलनकर्ता प्रयोगशाला के कार्यव्यवहार और उपकरणों का गहन मूल्यांकन करते हैं जिसका परीक्षण को प्रस्तुत करने अथवा आंकड़ा अंशांकन पर प्रभाव पड़ता है। आकलन मानदण्ड आई एस ओ/ आई ई सी 17025 अथवा चिकित्सा संबंधी प्रयोगशालाओं के लिए आई0एस0ओ0 15189 अनतर्राष्ट्रीय मानकों पर आधारित होते हैं, ये वैसे मानक है जिन्हें प्रयोगशालाओं का आकलन करने के लिए पूरे विश्व भर में उपयोग में लाया जाता है।

मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं की नियमित रूप से पुनः परीक्षण/ जांच यह सुनिश्चित करने के लिए की जाती है कि वे तकनीकी विशेषज्ञता के उच्च मानक बनाये रखें। अपने विकल्प पर सरकारी प्रतिनिधि, चल रहे आकलन - कार्यों में सहभागिता कर सकते हैं। प्रयोगशालाएं भी अपनी क्षमता के एक चालू प्रदर्शन के रूप में नियमित कुशलता जांच कार्यक्रम में सहभागिता के लिए अपेक्षित होती हैं।

विषय वस्तु

- सरकार एवं विनियामकों द्वारा प्रत्यायित प्रयोगशाला के लाभ कैसे लिए जा सकते हैं?
- प्रयोगशाला प्रत्यायन किस प्रकार कार्य करता है ?
- एक प्रत्यायित प्रयोगशाला की खोज कैसे करें ?
- प्रयोगशाला का चुनाव करते समय कौन से कारण महत्वपूर्ण हैं ?
- कहां से और सूचना प्राप्त की जा सकती है ?

ilac global trust
Testing – Calibration – Inspection

एक प्रत्यायित प्रयोगशाला की खोज कैसे करें?

प्रत्यायित प्रयोगशालाओं के लिए एक प्रत्यायन चिन्ह, प्रतीक अथवा उनकी जांच अथवा अंशांकन रिपोर्टों पर अनुमोदन शामिल होता है। प्रयोगशाला को जांच हेतु एक सूची अथवा मापन कार्यविधियों, जिसके लिए प्रयोगशाला प्रत्यायित होनी है, के लिए आवेदन करना चाहिए। यह प्रयोगशाला के प्रत्यायन दायरे में स्पष्ट होता है। जिसे अनुरोध करने पर प्रयोगशाला को मुहैया कराया जाता है।

अनेक देशों में प्रत्यायन निकाय, उनके द्वारा प्रत्यायित प्रयोगशालाओं की सूची अथवा निर्देशिकाएं प्रकाशित करतें हैं और कभी - कभी प्रयोगशाला के सम्पर्क सूत्रों और अलग - अलग परीक्षण/ जांच क्षमताओं को भी शामिल करते हैं। एक प्रत्यायन निकाय, उन प्रत्यायित प्रयोगशालाओं की पहचान करने में मदद करता है जो परीक्षण/ जांच अथवा अंशांकन निष्पादन कर सकने में आप द्वारा अपेक्षित हों।

यदि आपके पास इण्टरनेट की सुविधा है तो अन्तरराष्ट्रीय प्रयोगशाला प्रत्यायन निगम(आई0एल0ए0सी0) की वेबसाइट www.ilac.org पर संपर्क करें और उसमें दी गयी प्रयोगशाला प्रत्यायन निकायों की निर्देशिका का उपयोग करें । इस वेबसाइट में कुछ देशों की प्रत्यायित प्रयोगशालाओं की निर्देशिकाओं के साथ संयोजन भी शामिल हैं ।

ilac global trust
Testing – Calibration – Inspection

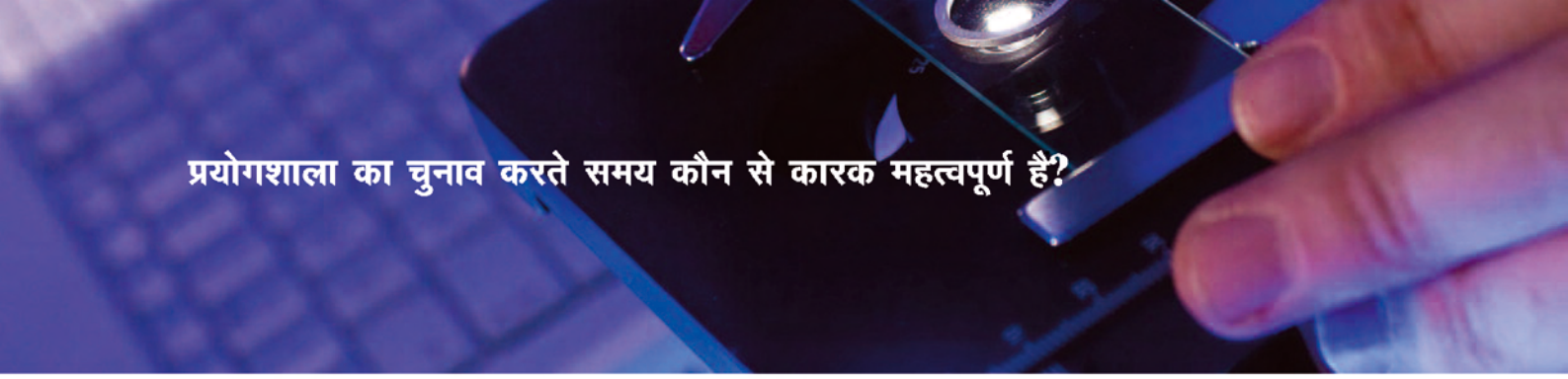

प्रयोगशाला का चुनाव करते समय कौन से कारक महत्वपूर्ण हैं?

परीक्षण/ जांच, अंशांकन अथवा मापन प्रयोगशाला का चयन करते समय यह सुनिश्चित कर लें कि यह आपको सटीक और विश्वसनीय परिणाम दे रही है। प्रयोगशाला की तकनीकी क्षमता अनेक कारकों पर निर्भर करती है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं :

- स्टाफ की योग्यताएं, प्रशिक्षण और अनुभव
- सही उपकरण - समुचित रूप से अंशांकित और अनुरक्षित
- पर्याप्त गुण कोटि वाली विस्वस्त कार्यविधियां
- नमूना लेने - देने की समुचित पद्यति
- उपयुक्त परीक्षण पद्धतियां और तरीके
- राष्ट्रीय मानकों के लिए मापन खोज क्षमताएं
- सटीक रिकार्डिंग और रिपोर्ट करने की पद्धतियां
- अनुकूल परीक्षण सुविधाएं

कहां से और सूचना प्राप्त हो सकती है ?

प्रयोगशाला प्रत्यायन पर आई एल ए सी एक शीर्ष अन्तर्राष्ट्रीय प्राधिकार है जिसके साथ पूरे विश्व में प्रत्यायन निकायों और सम्बद्ध संगठनों की सदस्यता शामिल है। यह, प्रयोगशाला प्रत्यायन पद्धतियां और प्रक्रियाओं के विकास, प्रयोगशाला प्रत्यायन के प्रोन्नयन में व्यापार - सुविधा उपकरण के रूप में और विश्वभर में सक्षम परीक्षण तथा अंशांकन सुविधाओं की मान्यता से जुड़ा है। आई एल ए सी इन उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में संबद्ध अन्तर्राष्ट्रीय निकायों के साथ सक्रिय भागीदारी करता है।

आई एल ए सी प्रत्यायन, परीक्षण, व्यापार - सुविधा और सम्बंधित विषयों वाले प्रकरणों की सामग्री श्रृंखला भी प्रकाशित करता है। इसके इन्टरनेट साइट www.ilac.org प्रयोगशाला प्रत्यायन पर बड़ी मात्रा में सूचना तथा विश्वभर में इसके सदस्यों की अवस्थिति भी मुहैया कराता है। आई एल ए सी क्या है ? नामक विवरिणका में आई एल ए सी पर विस्तृत जानकारी और इसके कार्यकलापों को मुहैया कराया गया है तथा अनुरोध करने पर यह उपलब्ध है।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :
आई एल ए सी सचिवालय,
7 लीड्स स्ट्रीट , रोड्स एन एस डब्लु 2138,
ऑस्ट्रेलिया
फैक्स + 61297435311
ई मेलः ilac@nata.com.au

(सी) प्रकाशनाधिकार आई एल ए सी 2001

आई एल ए सी, शिक्षा, मानकीकरण, प्रत्यायन, उपयुक्त प्रयोगशाला व्यवहार, अथवा अन्य प्रयोजनों, जो आई एल ए सी की विशेषज्ञता अथवा चेष्टा से सम्बद्ध हो, से संबंधित क्षेत्रों के लिए ऐसी सामग्री का प्रकाशन के इच्छुक संगठनों द्वारा इसकी सामग्री के अधिकृत पुनः प्रतिलिपिकरण अथवा उसके एक भाग के प्रकाशन को प्रोत्साहित करता है।

आई एल ए सी के प्रकाशनों से सामग्री के पुनः प्रतिलिपिकरण की अनुमति चाहने वाले संगठनों को आई एल ए सी प्रमुख से या सचिवालय में लिखित रूप से अथवा इलैक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा जैसे ई मेल से सम्पर्क करना चाहिए। आई एल ए सी द्वारा इसकी सामग्री के पुनः प्रकाशन की अनुमति केवल मूल आवेदन में दिये गये विवरण पर ही दी जाती है। आई एल ए सी की सामग्री के कथित उपयोग से भिन्न बाबत सूचना लिखित रूप में अनुमति के लिए आई एल ए सी को अग्रिम रूप में अवश्य दी जानी चाहिए।